MILLENNIUMPOST.IN

millenniumpost

NO HALF TRUTHS

PUBLISHED FROM DELHI | KOLKATA | SILIGURI

VOL. 9, ISSUE 108 | Friday, 21 April 2023 | Kolkata | Pages 12 | Rs 5.00



# TALK SHOW

**Minu Budhia, Swati Sarawagi and Suman Sood at a special talk show on 'Journey of a Special Needs Child's Mother - A Conversation with Minu Budhia' organised by the Early Childhood Association in association with the Indian Museum Kolkata** PIC/MPOST

এই সময়
রাজনৈতিক সংবাদ ও আপডেটেড খবরে No.1
সংবাদপত্র
YOUNG BENGAL GLOBAL BENGALI



# শুঁয়োপোকার মৃত্যু ও এক মায়ের গল্প

**এই সময়:** শিশু যদি বিশেষ ক্ষমতা-সম্পন্ন হয়, তা হলে মা-কেও কি 'বিশেষ' হতে হবে? প্রশ্নটা চিরকালীন হলেও হাল আমলে দৌড়ঝাঁপের জীবনে এই প্রশ্ন আরও বড় হয়ে দেখা দিয়েছে। বিশেষজ্ঞেরা বলছেন, বিশেষ ক্ষমতা-সম্পন্ন শিশুদের দুর্বলতা না ভেবে শক্তি ভাবতে হবে। তা হলেই মিলবে সাফল্য। মনোরোগ বিশেষজ্ঞ মিনু বুধিয়ার নিজের গল্প তেমনই এক মায়ের। যিনি নিজে লড়াই করতে করতে অন্যদের লড়াইয়ের সাহস-শক্তিও জোগাচ্ছেন।

সম্প্রতি শহরে এক আলোচনার আসর বসেছিল। গুরুগম্ভীর বার্তালাপ নয়, আলোচনা হয়ে উঠল 'বিশেষ ক্ষমতা-সম্পন্ন শিশুর এক মায়ের গল্প'। মিনুর কথায়, 'আমি ডাক্তার হতে চেয়েছিলাম। আর আজ এখানে এসে

অনুষ্ঠানের একটি মুহূর্ত — এই সময়

দাঁড়িয়েছি। যখন ধরা পড়ল আমার ছোট মেয়ে প্রাচী বিশেষ ক্ষমতা-সম্পন্ন, তখন নিজেকে শেষ করে দিতে চেয়েছিলাম। কিন্তু পরে ঠান্ডা মাথায় ভাবলাম, আমার সন্তান কখনও আমার দুর্বলতা নয়, বরং আমার শক্তি, আমার অনুপ্রেরণা, আমার আনন্দ। সেখান থেকেই শুরু হয়েছিল লড়াই। জীবনে প্রচুর ওঠা-পড়া দেখতে হয়েছিল। কিন্তু লড়াই ছাড়িনি। সেই লড়াইয়ের শেষে মৃত্যু হয়েছিল এক শুঁয়োপোকার। জন্ম হলো এক প্রজাপতির।' তাঁর সেই অভিজ্ঞতার কথাই ধরা রয়েছে 'এক শুঁয়োপোকার মৃত্যু' নামের বইয়ে। নিজের মেয়ের জন্যে যে লড়াই শুরু করেছিলেন 'কেয়ারিং মাইন্ডস' নামের সংস্থা তৈরি করে, সেই সংস্থার মাধ্যমে এখন উপকৃত হচ্ছেন অসংখ্য মা। আলোচনার আয়োজক ছিলেন ভারতীয় জাদুঘর কর্তৃপক্ষ। উপস্থিত ছিলেন লা মার্টিনিয়ার ফর গার্লস স্কুলের অধ্যক্ষ রূপকথা সরকার, শিক্ষাবিদ ইন্দ্রাণী গঙ্গোপাধ্যায়-সহ অনেকে।

আজকাল
কলকাতা ৭ বৈশাখ ১৪৩০ শুক্রবার ২১ এপ্রিল ২০২৩ শহর সংস্করণ*

ইন্ডিয়ান মিউজিয়াম, কলকাতার সহযোগিতায় আর্লি চাইল্ডহুড অ্যাসোসিয়েশন আয়োজিত ‘জার্নি অফ এ স্পেশ্যাল নিডস চাইল্ডস মাদার— এ কনভার্সেশন উইথ মিনু বুধিয়া’ শীর্ষক আলোচনাচক্রে উপস্থিত রয়েছেন কেয়ারিং মাইন্ডস, আইক্যানফ্লাই, ক্যাফে আইনক্যানফ্লাইয়ের প্রতিষ্ঠাতা তথা নামী সাইকোথেরাপিস্ট মিনু বুধিয়া, স্বর্ণিম ইন্টারন্যাশনাল স্কুলের ইসিএ টেরিটরি হেড ওয়েস্ট বেঙ্গল ও ডিরেক্টর স্বাতী সারোগি এবং ইসিএ মেন্টর ন্যাশনাল কোর কমিটি ও ডিরেক্টর, বি ডি মেমোরিয়াল সুমন সুদ।

সংবাদ প্রতিদিন

কলকাতা সংস্করণ শুক্রবার | ২১ এপ্রিল ২০২৩



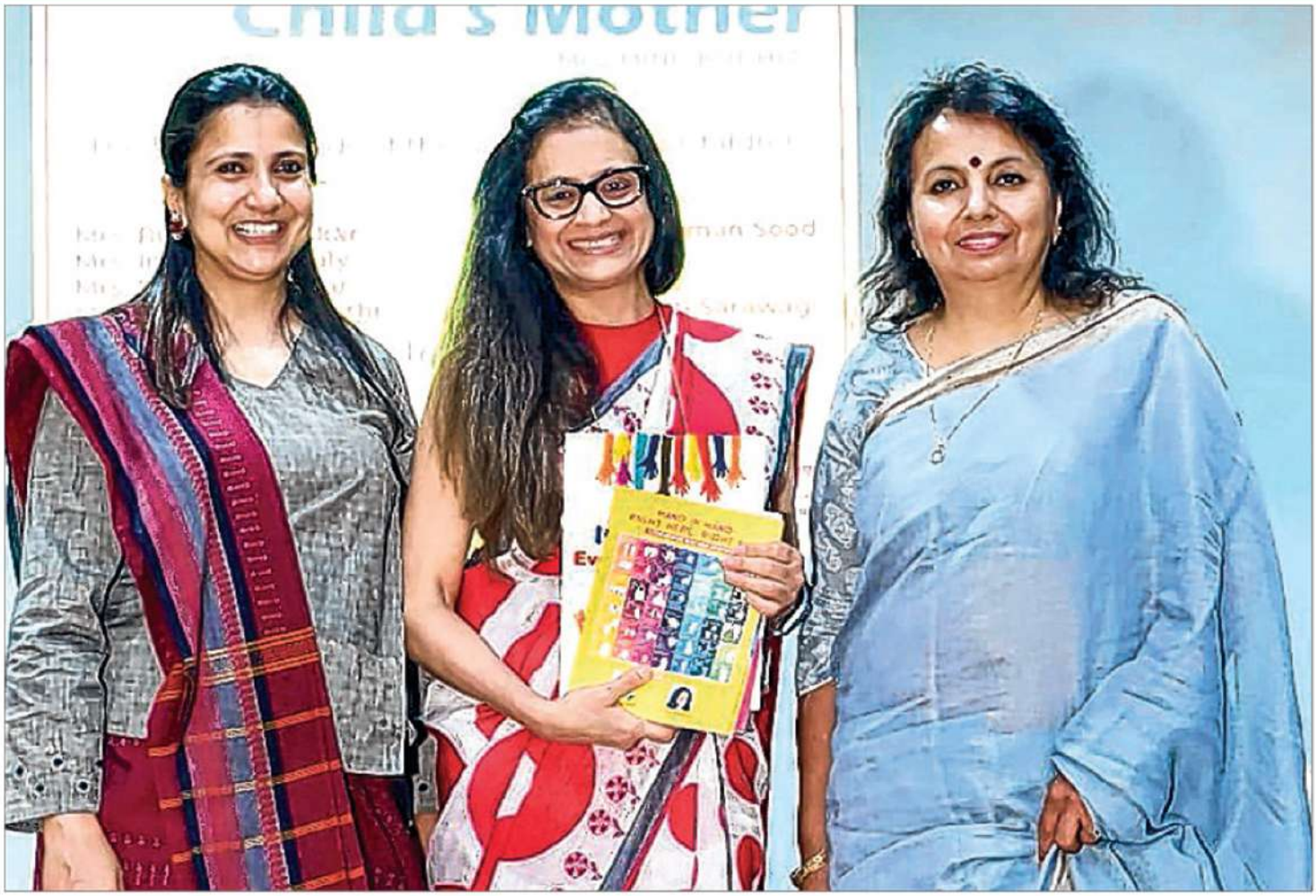

■ আর্লি চাইল্ড হুড অ্যাসোসিয়েশন ও ইন্ডিয়ান মিউজিয়ামের যৌথ উদ্যোগে আয়োজিত 'জার্নি অফ আ স্পেশাল নিডস চাইল্ডস মাদার' শীর্ষক বিষয়ে বিশেষ আলোচনায় কেয়ারিং মাইন্ডস, আই ক্যান ফ্লাই-এর প্রতিষ্ঠাতা মিনু বুধিয়া, ইসিএ-র রাজ্য টেরিটোরি হেড স্বাতী সারাওগী, বিডি মেমোরিয়ালের ডিরেক্টর সুমন সুদ।

খবর ৩৬৫ দিন
শুক্রবার
২৮ এপ্রিল ২০২৩
১৪ বৈশাখ ১৪৩০
দাম ৪ টাকা
কলকাতা থেকে প্রকাশিত
বর্ষ ১২ ■ সংখ্যা ১০০
Vol. XII. No. 100
কলকাতা সংস্করণ

৩৬৫ দিন। ইন্ডিয়ান মিউজিয়ামের সহযোগিতায়, আর্লি চাইল্ড হুড অ্যাসোসিয়েশনের উদ্যোগে আয়োজিত টক শো, জার্নি অফ এ স্পেশাল নিডস চাইল্ডস মাদার - এ কনভারসেশন উইথ মিনু বুধীয়া। উপস্থিত ছিলেন সাইকোথেরাপিস্ট, আই ক্যান ফ্লাই, ক্যাফে আই ক্যান ফ্লাই, কেয়ারিং মাইন্ডস এর প্রতিষ্ঠাতা, মিনু বুধিয়া, ইসিএ হেড ওয়েস্ট বেঙ্গল এবং স্বর্নিম ইন্টারন্যাশনাল স্কুলের ডিরেক্টর সাথী সারাওয়াগী, ইসিএ মেন্টর ন্যাশনাল কোর কমিটি এবং ডিরেক্টর বিডি মেমোরিয়াল সুমন সুদ।

अखबार नहीं आंदोलन

प्रभात खबर

कोलकाता । रांची । पटना । जमशेदपुर । धनबाद । देवघर । मुजफ्फरपुर । भागलपुर से प्रकाशित

कोलकाता, शुक्रवार
21.04.2023



## सिटी बाइट्स

# स्पेशल मां के बारे में जाना महानगर के लोगों ने

**कोलकाता.** विशेष जरूरतों वाले बच्चों, उनसे संबंधित चुनौतियों और विशेष शिक्षा की जरूरतों के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसका आयोजन अर्ली चाइल्डहुड एसोसिएशन ने इंडियन म्यूजियम के साथ मिल कर किया. मौके पर दो विशेष सत्र का आयोजन हुआ. पहले सत्र में 'जर्नी ऑफ ए स्पेशल नीड्स चाइल्ड्स मदर-ए कनवर्सेशन विथ मीनू बुधिया' शीर्षक बातचीत हुई. मीनू बुधिया ने अपनी छोटी बेटी प्राची की मां के तौर पर अपनी यात्रा का जिक्र किया. उन्होंने उन चुनौतियों का जिक्र किया जिसका उन्होंने सामना किया है. साथ ही इस दौरान शक्तियों को चिह्नित भी किया जिसके जरिये उनका स्वयं का विकास हुआ. उन्होंने कहा कि तिनसुकिया जैसे छोटे शहर की लड़की जो डॉक्टर बनना चाहती थी से लेकर आज वह जहां हैं, उनकी यात्रा उतार-चढ़ाव वाली रही है. जब उनकी छोटी बेटी प्राची में कम आइक्यू और एडीएचडी पाया गया, तो उनका जीवन बिखर गया. वह अपना जीवन समाप्त करने के करीब पहुंच गयी थीं. फिर उन्होंने समझा कि वह उनकी कमजोरी नहीं बल्कि शक्ति है, उनकी प्रेरणा और आनंद है. अपनी यात्रा को उन्होंने अपने संस्मरण 'डेथ ऑफ ए कैटरपिलर' में संजोया है. इसके बाद एक परिचर्चा का आयोजन हुआ जिसका विषय विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए विशेष जरूरतें था.

दैनिक विश्वमित्र

10 कोलकाता, शुक्रवार, 21 अप्रैल, 2023

दैनिक विश्वमित्र

• हिन्दी का प्राचीनतम राष्ट्रीय दैनिक •

कोलकाता शुक्रवार ■ 21 अप्रैल, 2023 ■ वैशाख शुक्ल 1 सम्वत् 2080

## मीनू बुधिया ने सुनाई संघर्ष भरी कहानी

# जिन्दगी में देखे हैं कई उतार-चढ़ाव

**कोलकाता, 20 अप्रैल (नि.प्र.)।** सिटी ऑफ जॉय ने हाल ही में विशेष जरूरतों वाले बच्चों, विशेष परिवारों के सामने आने वाली चुनौतियों और विशेष शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक बहुत जरूरी कार्यक्रम आयोजित किया। भारतीय संग्रहालय कोलकाता के सहयोग से अर्ली चाइल्डहुड एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षा और विशेष शिक्षा के क्षेत्र में creme-del-la-creme के साथ दो दिलचस्प सत्र शामिल थे। पहली मार्मिक वार्ता थी – 'जर्नी ऑफ ए स्पेशल नीड्स चाइल्ड्स मदर – ए कन्वर्सेशन विद मीनू बुधिया (साइकोथेरेपिस्ट एंड फाउंडर ऑफ केयरिंग माइंड्स, आई कैन फ्लाई)। मीनू बुधिया ने एक माँ के रूप में जीवन के बारे में अपनी छोटी बेटी प्राची से बात की, जो एक विशेष संतान है। कई वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए, उन्होंने सामना की गई चुनौतियों, बाधाओं को दूर करने, शक्तियों की पहचान करने, अपने स्वयं के विकास और आगे बढ़ने के तरीके के हिस्से के रूप में 'प्रगति' को फिर से परिभाषित करने के महत्व के बारे में साझा किया। श्रीमती बुधिया ने कहा, असम के तिनसुकिया में एक छोटे शहर की लड़की से जो डॉक्टर बनना चाहती थी, आज मैं जहां हूं – मेरी जिंदगी एक रोलरकोस्टर की सवारी रही है। जब मेरी छोटी बेटी प्राची को लो आईक्यू और एडीएचडी का पता चला, तो मेरी पूरी दुनिया बिखर गई और मैं आत्महत्या के कगार पर थी। समय के साथ मुझे एहसास हुआ कि वह मेरी कमजोरी नहीं, बल्कि मेरी ताकत, मेरी प्रेरणा, मेरा गर्व और खुशी थी। विशेष जरूरतों वाले एक बच्चे की मां के रूप में मेरी यात्रा में, मैंने कई उतार-चढ़ाव और अचानक मोड़ देखे हैं। मैंने इस यात्रा को अपने संस्मरण डेथ ऑफ़ ए कैटरपिलर में इस उम्मीद में लिखा है कि यह एक और माँ को कम अकेला महसूस कराएगा और हमारे समाज को अलग और अलग तरह से सक्षम लोगों के बारे में जागरूक और स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

स्वाति सरावगी, मीनू बुधिया एवं सुमन सूद। विश्वमित्र

दैनिक विश्वमित्र विशेष

इसके बाद 'द स्पेशल नीड्स ऑफ स्पेशल नीड्स चिल्ड्रेन' पर पैनल डिस्कशन हुआ। पैनलिस्टों में सुश्री मीनू बुधिया, सुश्री रूपकथा सरकार (प्रिंसिपल, ला मार्टिनियर फॉर गर्ल्स), सुश्री इंद्राणी गांगुली (शिक्षाविद), सुश्री कविता खुल्लर (प्रिंसिपल-अक्षर) और सुश्री सामरिनिका त्रिपाठी (मनोवैज्ञानिक) शामिल थीं। इस कार्यक्रम का संचालन सुश्री स्वाति सरावगी (ईसीए टेरिटरी हेड डब्ल्यूबी और निदेशक, स्वर्णिम इंटरनेशनल स्कूल) द्वारा किया गया। सुश्री सुमन सूद (ईसीए मेंटर नेशनल कोर कमेटी और निदेशक, बीडी मेमोरियल) द्वारा संचालित किया गया। सुश्री स्वाति सरावगी ने कहा, विविधता एक विविध टेपेस्ट्री बनाती है। मीनू भाभी की यात्रा कई लोगों के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश है और मुझे आशा है कि प्रख्यात शिक्षाविदों के साथ हमारी बातचीत जागरूकता साझा करेगी और वर्तमान चुनौतियों का समाधान ढूंढेगी। सुश्री सुमन सूद ने कहा, मैं सुश्री मीनू बुधिया के जज्बे को सलाम करती हूं। शिक्षकों के रूप में, हमारा मुख्य ध्यान समावेशन सुनिश्चित करने पर होना चाहिए – किसी भी माता-पिता को यह सोचकर नहीं छोड़ा जाना चाहिए कि वे अपने बच्चे को कहाँ प्रवेश दे सकते हैं और कोई भी बच्चा पीछे नहीं छूटना चाहिए। पैनल चर्चा के दौरान, समावेशी शिक्षा, सभी छात्रों के विकास के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए स्कूल क्या कर सकते हैं, नियमित बच्चों को विशेष जरूरतों के बारे में शिक्षित करना, शिक्षकों को उन बच्चों की पहचान करने के लिए आवश्यक कौशल और प्रशिक्षण के साथ सशक्त बनाना जैसे कई दबाव वाले मुद्दे अधिक समर्थन, स्कूल परामर्शदाताओं की भूमिका आदि पर चर्चा की गई।

मनोचिकित्सक मीनू बुधिया कई भूमिकाएँ निभाती हैं। एक लेखक, TEDx वक्ता और उद्यमी, वह प्रभावशाली सामाजिक पहलों की संस्थापक हैं कैरिंग माइंड्स (मानसिक स्वास्थ्य संस्थान), ICanFlyy (विशेष आवश्यकताओं के लिए संस्थान), और Cafμ ICanFlyy (विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों द्वारा संचालित एक कैफे)। कई लोगों के लिए एक प्रेरणा और एक उद्देश्यपूर्ण महिला, वह 'खुशी एक अंदरूनी काम है' में दृढ़ विश्वास रखती हैं और वह जिस मंत्र से जीती हैं वह है अपूर्णता सौंदर्य है।

छपते छपते

छपते छपते आस-पास

कोलकाता
शुक्रवार, 21 अप्रैल 2023

इंडियन म्यूजियम के साथ अर्ली चाइल्डहुड एसोसियेशन के साथ मिलकर विशेष बच्चों की मां की विशेष आवश्यकता पर आयोजित एक परिचर्चा में तीन प्रमुख महिलायें बायें मीनू बुधिया ( साइको थेरापिस्ट एवं केयरिंग माईन्ड्स आई कैन फ्लाई कैफे आई कैन फ्लाई की संस्थापक ) सुश्री स्वाती सरावगी ( इसीए टेरीटोरी हेड एवं निदेशक स्वर्णिम इंटरनेंशनल स्कूल ) एवं सुश्री सुमन सूद ( इसीए मेन्टर नेशनल कोर कमिटी एवं निदेशक बीडी मेमोरियल )

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
# समाज्ञा
शुक्रवार, 21 अप्रैल 2023



# स्पेशल बच्चों की स्पेशल मां के चुनौतियों भरे सफर के बारे में की गई चर्चा

**कोलकाता, समाज्ञा**

महानगर में अर्ली चाइल्डहुड एसोसिएशन ने इंडियन म्यूजियम के सहयोग से हाल ही में स्पेशल बच्चों, स्पेशल परिवारों के सामने आने वाली चुनौतियों और स्पेशल शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सत्र में साइकोथेरेपिस्ट एंड केयरिंग माइंड्स, आई कैन फ्लाई, कैफे आई कैन फ्लाई की फाउंडर मीनू बुधिया के साथ इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर मीनू बुधिया ने एक मां के रूप में अपने जीवन के संघर्ष के बारे में सभी के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि उनकी छोटी बेटी प्राची एक स्पेशल चाइल्ड है।

उन्होंने कहा कि जब मेरी छोटी बेटी प्राची का लो आईक्यू और एडीएचडी के होने का पता चला था, तब मेरी पूरी दुनिया बिखर गई थी। मैं

आत्महत्या के कगार पर पहुंच गई था। समय के साथ मुझे एहसास हुआ कि वह मेरी कमजोरी नहीं, बल्कि मेरी ताकत, मेरी प्रेरणा, मेरा गर्व और खुशी है। स्पेशल बच्चे की मां के रूप में मेरे जिंदगी के सफर में, मैंने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। इसी विषय पर लिखी हुई मेरी किताब डेथ ऑफ ए कैटरपिलर के माध्यम से मैं सभी स्पेशल बच्चें की मां को जीगरुक करना चाहते हैं। इसके बाद 'द स्पेशल नीड्स ऑफ स्पेशल नीड्स चिल्ड्रेन' पर पैनल चर्चा हुई।

इस पैनलिस्टों में मीनू बुधिया, रूपकथा सरकार (प्रिंसिपल, ला मार्टिनियर फॉर गर्ल्स), इंद्राणी गांगुली (शिक्षाविद), कवनीत खुल्लर (प्रिंसिपल-अक्षर) और सामरिनिका त्रिपाठी (मनोवैज्ञानिक) शामिल हुए। इस कार्यक्रम का संचालन स्वर्णिम इंटरनेशनल स्कूल के ईसीए टेरिटरी हेड डब्ल्यूबी और निदेशक स्वाति सरावगी ने किया।

পাঠকের কাছে দায়বদ্ধ
যুগশঙ্খ
বর্ষ: ৯ সংখ্যা: ৪৩
কলকাতা শুক্রবার
২১ এপ্রিল ২০২৩
৭ বৈশাখ ১৪৩০
৬ টাকা
কলকাতা, বর্ধমান, শিলিগুড়ি, শিলচর ও গুয়াহাটি থেকে একযোগে প্রকাশিত



দক্ষিণবঙ্গ

# বিশেষ ভাবে অক্ষম সন্তানের মায়েদের শিক্ষামূলক আলোচনা চক্রে সাইকোথেরাপিস্ট মিনু বুধিয়া

কলকাতা। ২০ এপ্রিল

কলকাতা জাদুঘরের সহযোগিতায় আর্লি চাইল্ডহুড অ্যাসোসিয়েশন এক বিশেষ শিক্ষামূলক অনুষ্ঠানের আয়োজন করল কলকাতা নগরীতে। দুটি পর্যায়ে এই দুই বিষয়ে আলোচনাচক্র অনুষ্ঠিত হয়। প্রথমটি 'জার্নি অব এ স্পেশাল নিডস্ চাইল্ডস্ মাদার' শীর্ষক অনুষ্ঠানে কেয়ারিং মাইন্ডস্, আইক্যানফ্লাই, ক্যাফে আই ক্যানফ্লাই-এর প্রতিষ্ঠাতা সাইকোথেরাপিস্ট মিনু বুধিয়ার সঙ্গে আলোচনা।

মিনু বুধিয়া কন্যা প্রাচির কাছে মাতৃত্বকালীন জীবনের কথা তুলে ধরেন। তাঁর কঠোর সংগ্রামী জীবনের কথা উপস্থিত সকলের সামনে আলোচনা করেন। শত বাধা বিপত্তি, ঝড়ঝাপটা থাকা সত্ত্বেও তিনি দমে যান নি। জীবনযুদ্ধে জয়ের ব্রতী নিয়ে তিনি সকল সমস্যার মোকাবিলা করেছেন।

তিনি জানান, 'অসমের তিনসুকিয়ার মতো একটি ছোট্ট শহরের এক কোণে রোলারকোস্টারের মতো আমার জীবনের প্রতিটি ক্ষণ উদ্বেগে কেটেছে। আমি ডাক্তার হতে চেয়েছিলাম। যখন চিকিৎসায় আমার মেয়ের অক্ষমতা ধরা পড়ল, আমার চোখের সামনে তখন পৃথিবী ভেঙে খানখান। আমার মনে হয়েছিল, আত্মহত্যা ছাড়া আমার সামনে আর কোনও পথ খোলা নেই। পরে বুঝলাম, প্রাচি, আমার মেয়ে শুধুমাত্র আমার দুর্বলতাই নয়, ও আমার শক্তি, আমার প্রেরণা, আমার গর্ব, আমার সুখ-দুঃখ সব। আমি আমার মেয়েকে নিয়ে জীবন সংগ্রামে ঝাঁপিয়ে পড়লাম। আমাকে ওর মা হতে হবে। ওর অক্ষমতা ঢেকে দিতে হবে। ওকে স্বাভাবিক জীবনে ফিরিয়ে আনতে হবে। এই পৃথিবীতে আর পাঁচজনের মতো ওকেও বাঁচতে হবে। এই জীবন সংগ্রামের কাহিনী আমি 'ডেথ অব ক্যাটারপিলার' বইতে পুঙ্খানুপুঙ্খ লিপিবদ্ধ করেছি। উদ্দেশ্য একটাই, আমার মতো এই পৃথিবীতে আরও মা আছেন যাঁদেরও রয়েছে বিশেষ ভাবে অক্ষম সন্তান। তাদেরকে উৎসাহিত করতে হবে। তাদের অক্ষম সন্তানকে স্বাভাবিক জীবনে ফিরিয়ে আনতে হবে। হতাশায় ভেঙে পড়লে চলবে না। মা ভেঙে পড়লে ওই অক্ষম সন্তানটি কিভাবে পৃথিবীতে বেঁচে থাকবে!'

**'জার্নি অব এ স্পেশাল নিড্স চাইল্ড্স মাদার' শীর্ষক এক আলোচনা চক্রে কেয়ারিং মাইন্ডস, আইক্যানফ্লাই, ক্যাফেআইক্যানফ্লাই এর প্রতিষ্ঠাতা সাইকোথেরাপিস্ট মিনু বুধিয়া, ইসিএ টেরিটরি হেড ডব্লুবি ও স্বর্ণিম ইন্টারন্যাশনাল স্কুলের ডিরেক্টর স্বাতী সারাওগি এবং ইসিএ মেন্টর ন্যাশনাল কোর কমিটি ও বিডি মেমোরিয়ালের ডিরেক্টর সুমন সুদ।**

দ্বিতীয় পর্যায়ের আলোচনা চক্রে ছিলেন, লা মার্টিনিয়ার ফর গার্লসের প্রিন্সিপ্যাল রূপকথা সরকার, শিক্ষাবিদ ইন্দ্রানী গঙ্গোপাধ্যায়, কবনীত খুলার, সাইকোলজিস্ট সম্রিনিকা ত্রিপাঠি প্রমুখ।

www.echoofindia.com
THE ECHO OF INDIA
PUBLISHED SIMULTANEOUSLY FROM KOLKATA SILIGURI GANGTOK GUWAHATI and PORT BLAIR
KOLKATA • FRIDAY • APRIL 21, 2023


# City of Joy learns about the journey of a special mother

## Discusses the way forward in Special Education

EOI CORRESPONDENT

**KOLKATA, APRIL 20**/--/The City of Joy recently held a much-needed event to raise awareness about children with special needs, challenges special families face, and the importance of special education. Organised by the Early Childhood Association in association with the Indian Museum Kolkata, this event comprised two interesting sessions with the creme-del-la-creme in the field of education and special education, sources informed.

The first was a moving talk - 'Journey of a Special Needs Child's Mother - A Conversation with Minu Budhia (Psychotherapist & Founder of Caring Minds, ICanFlyy, Cafe ICanFlyy), sources said.

Minu Budhia spoke about life as mother to her younger daughter Prachi, a special child. Sharing several real-life experiences, she shared about challenges faced, obstacles overcome, strengths identified, her own evolution and the importance of redefining 'progress' as part of the way forward. She said, "From a small-town girl in Tinsukia, Assam who wanted to be a doctor, to where I am today - my life has been a rollercoaster ride.

When my younger daughter Prachi was diagnosed with Low IQ & ADHD, my whole world shattered to pieces and I was on the brink of suicide. With time I realised she wasn't my weakness, but my strength, my inspiration, my pride & joy. In my journey as the mother of a child with special needs, I have seen many highs, lows, and sudden twists. And I've chronicled this journey in my memoir "Death of a Caterpillar" in the hope that it will make another mother feel less alone and encourage our society to become both aware and accepting of people who are different & differently able."

This was followed by a panel discussion on 'The Special Needs of Special Needs Children'. Panellists included Minu Budhia, Rupkatha Sarkar (Principal, La Martiniere for Girls), Indrani Ganguly (Educationist), Kavneet Khullar (Principal-Akshar), and Samrinika Tripathi (Psychologist). The event was anchored by Swati Sarawagi (ECA Territory Head WB and Director, Swarnim International School) and moderated by Suman Sood (ECA Mentor National Core Committee and Director, BD Memorial).

Ms Sarawagi said, "Diversity makes for a varied tapestry. Minu Bhabi's journey is a guiding light for many and our talk with eminent educationists I hope shall share awareness and find solutions to current challenges."

Ms Sood said, "I salute Minu Budhia's spirit. As educators, our key focus should be on ensuring inclusion - no parent should be left wondering about where they can admit their child and no child must be left behind."

روزنامہ
# اخبارِ مشرق
کلکتہ

Published from Kolkata•Asansol•Siliguri•Bhopal•Delhi• Ranchi•Lucknow•Srinager

Kolkata,|Saturday,22nd,April,2023 Shawal-ul -mokarram 1/1444A.H.

## قومی خبریں۔۔۔




انڈین میوزیم کلکتہ کے تعاون سے ارلی چائلڈ ہڈ ایسوسی ایشن کے زیر اہتمام 'جرنی آف اے اسپیشل نیڈز چائلڈز مدر - اے کنورسیشن ود مینو بدھیا' پر خصوصی ٹاک شو میں محترمہ مینو بدھیا (سائیکو تھراپسٹ اور کیئرنگ مائنڈز کی بانی) محترمہ سواتی سراوگی (ECA ٹریژری ہیڈ ڈبلیو بی اور ڈائریکٹر، سوارنم انٹرنیشنل اسکول) اور محترمہ من سود (ECA منتور نیشنل کور کمیٹی اور ڈائریکٹر BD میموریل) نے شرکت کی۔۔۔